@7.8%

अर्थव्यवस्था की गति एक साल में सबसे तेज

पहली तिमाही में विश्व के प्रमुख देशों में भारत की विकास दर सर्वाधिक

नई दिल्ली। कृषि क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन के बूते चालू वित्त वर्ष यानी 2023-24 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में देश की आर्थिक वृद्धि दर 7.8 फीसदी रही। अर्थव्यवस्था की यह रफ्तार एक साल में सबसे तेज है। इससे पहले 2022-23 की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 13.1 फीसदी की दर से बढ़ा था। एक साल की सबसे तेज वृद्धि के बावजूद अप्रैल-जून अवधि में आर्थिक वृद्धि दर भारतीय रिजर्व बैंक के 8 फीसदी के अनुमान से कम रही।

राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ) के बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से विकास की राह पर चढ़ने वाला देश बना हुआ है। 2022-23 की दूसरी तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.2 फीसदी की दर से बढ़ी थी। तीसरी तिमाही में वृद्धि दर 4.5 फीसदी और चौथी तिमाही में 6.1 फीसदी रही थी। ब्यूरो >> कृषि और वित्तीय क्षेत्र के शानदार प्रदर्शन ने बढ़ाई जीडीपी की रफ्तार : कारोबार

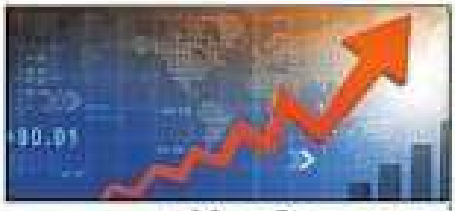

8.0% आर्थिक वृद्धि दर का था आरबीआई का अनुमान

13.1 फीसदी की रफ्तार से बढ़ी थी जीडीपी 2022-23 की पहली तिमाही में

चीन की वृद्धि दर सिर्फ 6.3 फीसदी

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में चीन की विकास दर भारत से कम रही। इस अवधि में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था सिर्फ 6.3 फीसदी की दर से ही बढ़ पाई।

बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 8 फीसदी

कोयला, बिजली, सीमेंट, कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस क्षेत्रों के शानदार प्रदर्शन की वजह से आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर जुलाई, 2023 में बढ़कर 8 फीसदी पर पहुंच गई। एक साल पहले की समान अवधि में बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 4.8 फीसदी बढ़ा था। हालांकि, जुलाई की वृद्धि दर जून, 2023 के 8.3 फीसदी की तुलना में कम है।

- वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीने (अप्रैल-जुलाई) में 6.4 फीसदी रही। एक साल पहले की समान अवधि में उत्पादन 11.5 फीसदी की दर से बढ़ा था।